

प्रेषक,

राधिका झा,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

वित्त नियंत्रक,
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,
हल्द्वानी जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा) देहरादून दिनांक 6 जुलाई, 2010
विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष प्रथम किश्त अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या :यूओयू/प्रशा0/वित्त/2010-11/4425 दिनांक 07, जून 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त पत्र में किए गए प्रस्तावानुसार आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि रुपये 100.00 लाख (रुपये एक करोड़ मात्र) के सापेक्ष कार्मिकों के वेतन एवं अन्य वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों यथा - मजदूरी, यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, विद्युत, टेलीफोन, पेट्रोल, विज्ञापन, परीक्षा व्यय तथा इग्नू से शिक्षण सामग्री के कय आदि के भुगतान के लिए प्रथम किश्त के रूप में रुपये 50,00,000.00 (रुपये पचास लाख मात्र) की धनराशि अनुदान के रूप में निम्नांकित प्रतिबन्धों के साथ व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- वर्तमान वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त मांग के समय औचित्य स्पष्ट करते हुए अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के समान ही मदवार फॉट शासन से अनुमोदित करायी जानी होगी । अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि व्यय नहीं की जायेगी । व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी0जी0एस0एण्डडी0 की दर तथा यह दर निश्चित न होने पर टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जाना होगा तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्ययता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा, कय की गयी सामग्री का अंकन स्टॉक रजिस्टर में किया जायेगा जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा । कम्प्यूटर आदि के कय के सम्बन्ध में आई0टी0 विभाग/नवीनतम शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

3- स्वीकृत की गयी धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी ।

9

4— स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा मदवार व्यय विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।

5— व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।

6— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-आयोजनेत्तर -07- राज्य मुक्त विश्वविद्यालय -00- 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।

7 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या : 115 (NP)/XXVII(3)/ 2010 दिनांक 01, जुलाई 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीया

(राधिका झा)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 192/XXIV(6)/2010 दिनांकित :

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
4. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून ।
5. वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन ।
6. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
7. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
8. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,

(पी0एल0 शाह)
उप सचिव ।